

“बीती विभावरी जाग री” (कवि -जयशंकर प्रसाद)

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मेघ आए बड़े बन-ठन के संवर के
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे खिड़कियाँ खुलने लगे गली-गली
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के ।
पेड़ झुक झांकने लगे गरदन उचकाए ।
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए
बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी, घूँघट सरके,
मेघ आए बड़े बन-ठन के संवर के ।

- (क) मेघों के आगमन की तुलना किससे की गई है?
- (ख) गली-गली के दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने का कारण क्या है?
- (ग) 'बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी' में कौन-सा अलंकार है?
- (घ) गाँव में मेघों के आने की सूचना कौन दे रहा है?
- (ङ) गाँव के बड़े बुजुर्गों की भूमिका कौन निभा रहे हैं?

This image shows a blank sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and extend across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.
